



ASHA ARCHIVES

1.669

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

1.669

ASHA ARCHIVES

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

वायुमिन्द्रियसोम
 धातिवयुषीश्रुतिव
 यथाहतिवसुवा॥युह
 द्विवर्द्धनिः॥ विद्याधनिः
 हृगहृद्विकान्निद्वि
 काहृ॥माकाहसर्वहृद



वसुधैव कुटुम्बकम्

वृषिवल्लयदावसुधावबस
 यो. व. नि. का. व. वा. व. ना. म.
 य. व. मि. ना. द. वी. पु. हा. श्री. व. १
 मि. वा. न. का. म. ना. स. व. तु. मा. दि.
 वि. शा. द. न. स. व. स. वि. न. वि.
 न. ह. वि. नि. द. र्श. न. का. स. नि.

हीमा उग्र उग्र यवाकुमा ॥ दानयात्रमितादविषयनिदिश्वयिनि ॥ निष्ठा
 नसर्वसांगत्याकिर्निलक्ष्मियससूतादहनिमात्रनिचंदिसुवचिसेवमादिका ॥
 कृतांनजासनिहिमाकोमाविदिश्वयिनि ॥ विर्ययात्रमितादविजगदा
 नंदलावनि ॥ नायसिउग्रयुयिवमविमिधिवलयदा ॥ दानयूयमाहाताम
 मृजिताजिनविक्रमा ॥ जगदेकहिनायूकासंग्रामात्रनिगुला ॥ ज्ञानिया
 वमितादविसिलनीआनआयिनि ॥ वीरान्नियप्रकाविचयप्रमासनमास
 नी ॥ शुधयुयिमहानगारुमवर्नयताकवि ॥ विंतामनिधविदविपुहोयूस्त

क क विनि ॥ निधन क न मा नू धा धा न्ना ग व ध न थि या ॥ न धा नु कं मा हा नू दि दि
 वा ह व ध धि नि ॥ मा न धि स र्व व ध न्नां च त्र धा न स्व व स्व वा ॥ स न्ना मा ता वि नि
 र वि ता वां ता व वि व र्ज नि ॥ वे न्नी य कि वि नि ता च ध धि नि क्क म र्दु द नि ॥
 हिं द नि स र्व मा वा न्नां स य या ना ल ऊ र नि ॥ वा स नी व द मा ना च गु ध वा न गु
 ध वा सि नि स च स्व नि वि सा वा जि न रु व र्ध वि हा वि नि ॥ न धा ग नि म ही व मा ॥ २
 व डि नि ध र्म धा वि नि क र्म धा न स्व वा वि या वि स्व का ला ह म धु ली वा ध नि स र्व ॥ दि ॥
 मा ला नां वा धा ग क न ॥ अ ध वि ध ना दि मू कि सं य न्न अ र्द या ह य हा वि नि स र्व

र्थ सा ध नि क र्दा डि नू या मि न वि क मा द र्ग नी व ध मा र्ग नां न र्द मा र्ग ध र्द र्ग नी ॥
 वा गी स्व वा मो हा सां नि ग वि धा नि व न्द द या ॥ द र्ग नी व ध मा र्ग नां न र्द मा र्ग ध
 र्द ॥ वा गी स्व वा मा हा सां नि ग वि धा नि व न्द द या ॥ मि नू या धा व नी सि धा या मि
 नि या ग म स्व नि ॥ म ना ह वि म हा कां नि स र्ग ग यी य द र्ग ना ॥ सार्थ वा ह क
 या वृ धि स र्व ना धा ग ना स की ॥ न म र्क रु म हा द वि स र्व स र्वा र्थ दा य नी न
 म मु न रि च व धि च व रु धा वा न म मु न ॥ अ स्ता न च स र्ग नां म नि का ल य
 य धा दि मा या प्रो नि ति य न्नि सि धि मि सि यं स म ना र्थ य द हा ना क न या य मा

॥ ८ ॥

नमो यस्मात्तन्मन्त्रं सर्वज
कं श्रुत्वा मिलसंयेन सफ
दयवाक्च नयेवानयोः
आदयस्य जायते येन
फसखायनि ॥ ८ ॥

नियमिष्याय ॥

विद्यायना



पयिष्मिन्मि. स्मवना. नामरुद
जानिस्मवाहव न. यीयश्च
यदर्भने ॥ विष्णुं कृतीयम्
रुमिस्वयं पायं पश्चात्पा
निशिवसु. शानामधाय
॥ ८ ॥ नमो नमो
॥ ८ ॥ नमो नमो

३
म

भक्तस्मिन्समयत्तगवानवर्जवृत्तिरुचिस्म ॥ सर्वसर्वीयं वज्रसमधि
शाय. वज्रं को वरुयवर्जस्त्वयदतायनस्म ॥ श्रुत्वा श्रुत्वा संन्येदु
विष्णुं सर्वनायुक्तिरु नं. सर्वासायनाजिना. सर्वसत्त्वविदायनकं ॥ सर्व
सत्त्वसादनकं. सर्वविद्यादुदनकं ॥ सर्वविद्यासुहनकं. सर्व
कर्मोविष्णुसन्नकं. यन्नकर्मविष्णुसन्नकं ॥ सर्वगुरुसादनकं. सर्वगुरुवि
सादनकं. सर्वरुनायकं ॥ सर्वविद्यामनुकर्मयशायनं. आसिधेनासि
धकं ॥ सिधेनावायिनासन्नकं. सर्वकर्मयुदसर्वसत्त्वानां वज्रनकं. सा

॥ स्व ॥ त्रिकं यद्विकं सर्वसत्त्वानां क्लृप्तकचं सर्वसत्त्वानां माहृतकचं ॥ ॐ मासकुम
 वलवृक्षानुमाहावयायुक्तुं वज्रयानि युक्तुं हाषने स्म ॥ ॐ नमः वलवृक्षाय ॥
 नयथा ॥ ॐ नमः २ शानय २ स्तन २ स्तनय २ घन २ घनय २ सर्वसत्त्वानां वाधय
 २ संवाधय २ कुस २ कुसय २ कुस २ कुसय २ सर्वतनानि कुट २ संकुनय २ सर्वसकु
 न घन २ संघनय २ सर्वविधा वज्र स्तनय २ वज्र कन २ वज्र मन २ वज्र वजादिहा
 सनीलवज्रसुवजाय स्वाहा ॥ ॐ हं हं हं मस्तु लयनरुलनिरुलकु २ वज्र
 विजयाय स्वाहा ॥ ॐ वज्र किलिकिलाय स्वाहा ॥ ॐ कन २ मन २ वन २ भाननय

४
॥ म् ॥

माहृतनाय स्वाहा ॥ ॐ वल २ निवल २ रुन २ मव २ मावय २ वज्र विदा वनाय स्वाहा ॥
 ॐ दि २ शि २ माहा वज्र किलिकिलाय स्वाहा ॥ ॐ व २ को धम हा किलिकि
 लाय स्वाहा ॥ ॐ व २ वं ड किलिकिलाय स्वाहा ॥ ॐ कुसय २ वज्र किलिकि
 लाय स्वाहा ॥ ॐ हं व २ वज्र धयाय स्वाहा ॥ ॐ प्रहृ २ वज्र युतं जनाय स्वाहा ॥
 ॐ मनि स्थि वज्र यु नि स्थि वज्र माहा वज्र मय निरु न वज्र य रु हि वज्र
 वजाय स्वाहा ॥ ॐ ध २ धि २ धि २ व २ सर्ववर्ज कु व मा व र्ज य स्वाहा ॥ मम २
 वस कु मा वय २ रु रुट् स्वाहा ॥ ॐ नमः २ समंत वज्रानां सर्ववलमाव र्ज माहा

॥ स्व ॥

वल्लवर्नक नमः अक्षमंदलमाय अत्रिवर्जमाहाविमल मूर्तिन कलटिटिटिटि
टियिमल नमः वनि निमलवल्लवजां क सहा लाय स्वाहा ॥ उ नमा वल्लवजा
य ॥ नमः वल्लवजा यानय महायजु मनायेनय ॥ उ ह व २ वज मथ २ वज धव
२ वज ह व २ वज य व २ वज ध व २ वज ध व २ वज ध व २ वज ध व २ वज ध व २ वज ध व २ वज ध व
रुट ॥ नमः वल्लवजा यानय महाकोषाय कूब २ निरु २ वध २ रु न २ अमृत रु
रुट रुद य उ य रुद य मूल मं रु ॥ सर्वपापयुक्त ला सर्व २ ४ ख विना स नं म
नाहे सर्व मं जां सर्वथा समलं क न उ य मां न डि या ह लो न रु थ य रु ना य य

॥ म ॥

लक्ष्मि लयि विन सा व व नि श्र य वा मूखा काना प्रिय जन र सा कंद व व उ य
उ वा ना म स्वयं म म र्था नां रु या व स न म व व गु रु न रु रु पि ठा वा का र्त्ता दा दा व ना
गु हा पा य क य स्थ न स्व प्र स्व का या म म मृ दि नं न व स म्ना न म वि ना सा न वं म रु मे
रु मं ॥ गृ ना रु मे ॥ उ म रु ग म्नि व व धा ग व व यु स न वि रु म म ना स वि व स
न लं क ना न व म र्थ व र सा मा उ य म र्ग मृ दा व ना न जा मि य पु सा मा न म म सा
स र्व मा प्र ना आ य म् व र्ध नं य ना पा य म र्दे या य वि मा वि रु म नि स र्ध य द र्वा ति व
न ना रु न स र्व द नं ४ व रु यं धि न ॥ य य म् रु न व मा प यं का व ना य न रु व रु नं वा

॥ म ॥

पि सखिवस्तनवासिनं उक्तः
प्रसक्तं जयन वज्रविदावन
वयं नदिनाके मुनन ४ मय
रुगवानाह मनासु ववजया
प्रिति ॥ ॥ ६६ ॥ निगुआ
अवनि समाप ४ ॥
यति रुद यागो ॥ ॥ ७७ ॥



विंसनिवा वावा वावानकाह
मरुकाय यत्माधिव सदाय
यमुतं ॥ ॥ ६६ ॥ मवावन
निरुगवन ताधिन मननंद
र्यावजविदावन रुद यमं ॥ ॥ ७७ ॥
॥ ७७ ॥ नमाह गवम्य आर्यगन
मया ७७ नं मेकस्मिन् समयह

गवान बाहु गृह विह वनिस्त गृध्र क न यव न मरु नाहि रु सय न सार्ध मर्ध मुया
द सति किं रु सने संस्वरु ले भवाधिसे च महा सत्त्व ग न खलू य न सम य न रु गवा
न ॥ यथा न माने द मा मं नु य न स्म ४ ॥ यक भि कुल य नु आने द ७७ मानि ग न य
नि रु द या नि ॥ अ व यि य नि वा व यि य नि य र्या वो यो नि पु व र्म यि य नि त सा
सर्व कार्या नि सिद्ध नि रु वि यो नि ४ ॥ न य थ ॥ ॥ ७७ ॥ नमा सु नं महा गन य
न य स्वाहा ॥ ॥ ७७ ॥ ग ग ग ग ग ग ग ग ॥ ८ ॥ ७७ ॥ ग न य न य स्वाहा ॥ ७७ ॥
७७ ॥ धिय न य स्वाहा ॥ ७७ ॥ ग न य स्वाहा ॥ ७७ ॥ ग न य नि यु डि ना य स्वाहा ॥ ७७ ॥

॥ म ॥ ॐ गन स वा य स्वाहा ॥ ॐ गन गन य नि यू जि ना य स्वाहा ॥ ॐ क ट २ म न २ द व २ वि द
 २ २ रु न २ गृ क २ ख व २ त क य २ स म्भ २ मा रु २ द ह २ द दाय य २ ध ना दि मि धि
 म यु य रु ॥ ॐ न मा नू दा व व ना य स्वाहा ॥ ॐ नू ह न न वि द हि कू वि रु मे हा
 स मा ग रु नि म हा त य म हा व ल य वा क म म हा ह सि द जि ना य पु ता द दो य य
 स्वाहा ॥ ॐ न मा नू न म हा ग ध य न य स्वाहा ॥ ॥ ॐ ग ग ग ग ग ग ग ग ॥ ॥ ॐ ॥
 ६ ॥ ॐ ग न य न य स्वाहा ॥ ॐ ग न धि य न य स्वाहा ॥ ॐ ग ध य नि यू जि ना य स्वा
 हा ॥ ॐ ग न स वा य स्वाहा ॥ ॐ ग न य नि यू जि ना य स्वाहा ॥ ॐ कू नू २ स्वाहा

ॐ सु नू २ स्वाहा ॥ ॐ सु नू स्वाहा ॥ ॐ मू नू २ स्वाहा ॥ ॐ दं मा नं द ग न य नि रु द य ४ ॥
 य क वि कू ल य नू वा क ल र हि ता वा हि कू वा नि कू नू उ या स का वा उ या भि का वा ॥
 य क धि का य मा ल रु न मं नू सा ध न वा नि व ल य नू वा द मं नू व ग म न वा वा कू
 ल ग म न वा ॥ ॐ न कं नं वा न न वू वा रु ग व न य नू कू ल्वा नू य म हा ग न य नि रु द
 य म फ वा नू वा नू य नि न वं ॥ सर्व को र्णा नि न स सि द्धा नि ना रु मं ग य ४ सर्व क लि
 क ले ह नि म द म लि ष नि न्यं स मे न वं सर्व य स मे ग रु नि ॥ दि न रि न क ल्य स मे
 स्थ य सर्व स फ वा नू वा नू य नि न वं ॥ म हा सो हा ग रु वि षं नि ॥ वा कू ल ग म न

॥ म ॥

कालमहायुमादाहविष्यति ॥ अनिष्टवार्तविष्यति ॥ नवास्कार्यमाहावाधया
हविष्यति ॥ नकच्छिद्यन्मात्रं पुक्तिः ॥ श्वेताचलपुष्पं न ॥ त्रिगवताचलपुष्पं
॥ नवास्कार्यमाहावाधयाहविष्यति ॥ सज्जानो ज्ञानो ज्ञानि स्मवाहविष्यति ॥ ॥
॥ दं मवाधन ह गवासा न मना न ॥ इति ह माधमवाधनियर्षमय द मानुषा सु
वृगवृद गंधर्वश्चलाका ह गवता ताविन मनन न च निनि ॥ ॥ आ यो ॥ ॥ ॥
गनयति ह दयनामधनियर्षममाय ॥ ॥

॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥
॥ नवास्कार्यमाहावाधया ॥



स्त्रिषवि ऊ माये ॥
॥ समय ह गवासा सुखाद
॥ यमाद ह गवासा सुखाद
॥ वानर मितां ह नथागत
॥ धिसेत्व महासत्व मा मं
॥ वाह विमान सत्वा ता साधि
॥ न वां मर्था योहि माय सुखा

॥ वृ ॥

यच्छमां सर्वनथागताऽस्त्रिषविजयानामक्षय्यहाचयट्टदसयययवाप्रयात्य
वस्यध्विस्तवनसंयुक्तसयन ॥ दिशयूक्तनामयादायेनि ॥ अथखल्ल्यायावे
लाकिनेस्वयोवाधिसत्त्वउत्थायेसनायकासंयक्तनांजलियुक्ताहत्वाहगोचनः
मनदवाचन ॥ दसयंस्तुहगवान्सर्वनथागताऽस्त्रिषविजयानामक्षय्यनिद
सयंस्तुसगन ॥ अथखल्लुहगवान्सर्ववनिधयमदंलमवल्लाकिनश्रीयानाम
क्षयनिमसायययिमां सर्वनथागताऽस्त्रिषविजयानामक्षय्यनिहायनंम ॥
उत्तमाहगवान्सर्वनथायुनिविजिह्वायवृक्षयननम ॥ नयथा ॥ उं कुं

॥ ५ ॥

उं कुं ॥ (गाथयश्चि) (गाथयश्चि) मसमसंतावतामंस्तुवनगनिगगवास्वताववि
सुह ॥ उस्त्रिषविजययविमूह ॥ अलिषिंवरुमां सर्वनथागनसगनवल्लवच
नामूडातिथकेमहामूडामेनुयद ॥ अहवश्चयसंक्षयनि (गाथयश्चि) (गा
थयश्चि) गगवास्वतावविमूह ॥ उस्त्रिषविमलयविमूह ॥ सहगुवनिमसवादिना
सर्वनथागनवल्लाकिनस्वयवत्यायमिनायविद्यविनिमसर्वनथागनमाकुद
सहमिपुनिस्थितसर्वनथागनहृदयायनामधिहानाधिस्थित ॥ उं मूड
२महामूडवक्तकायसहप्रयविमूह सर्वकर्माववनविमूह ॥ पुनिनि

॥ वृ ॥

अवशिष्टं यानिकानि विस्तारयात् नृस्ययनं यानिकानि यित्महां माया यानिकानि
विद नया यक विद नया यक विद यदवाक विद वाया या साक विदा अस्मि
का ल या क विद वा उ व क विद वय सम उ य सं वृक्ष स्वा उ ल यं न सर्वा नि
ति सर्व गु उ वा ये य न न य धि न न द न न स न न स न व व न न ॥ १२ ॥
॥ अति य धि न धि धि न मे न य दं म म सर्व स लो नां च न जां कु र्व नु यः ॥ स ॥
विज्ञा सं कु र्व य वि य हं कु र्व य वि या व नं कु र्व द धु ये वि हा वं कु र्व ॥ म सु
य वि हा वं कु र्व या व नं वि व द ख नं कु र्व आ ये य वि हा वं कु र्व उ द क य वि

१२

॥ स ॥

हा वं कु र्व का खा द रु द नं कु र्व सि मा व ध नं कु र्व ध नं वि वं ध नं कु र्व न य
था ॥ उं अ म न २ अ म न ल वं अ म न स ल वं अ म न स ल वं अ म न स ल वं अ म न स ल वं
य २ मा स २ स य स म उ य स म सर्व व्या धि न य स म सर्व का व म नू नू य स म स
र्व गु ह नं कु र्व द धा नू य स म सर्व नू नां वा य स म ल ग व नि य नं स व नि नू न २ वि
नू न २ नू न २ नू न म स्वा हा ॥ उं अ वि गं ध वि वा धु वि मा नं गि य कं हि स्वा हा
उं अ कु लं कु र्व य नं स व वि स्वा हा ॥ न म ४ स र्व स व नं म हा स व नं लं ग व नि
यि द वि य नं स व वि यि अ वि स्वा हा ॥ उं यि द वि य नं स व वि र्जी ४ रु ५ रु ६ रु ७

॥ १ ॥

विष्णुविष्णु ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

॥ ५ ॥

॥ ६ ॥

॥ ७ ॥

॥ ८ ॥



आर्यापन्नसर्वविनामः ॥

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

॥ ५ ॥

॥ ६ ॥

१३

॥ १ ॥

महासुखं ननु खलु गवान्ति कृमां मंयु यन स्म कृमिनि कृवा मा विविद वना
सा सूर्यवत्तु मस्यून गोद न गच्छति ॥ सा न दध्म न न गच्छति न न वध न न मूख
न न मूख न न न दध्म न न दध्म न न न सक्तु मय गच्छति ॥ या यि न स्या ४ ति कृ
वा मा विविद वना या ना म जाना मि सा यि न दध्म न न गच्छति ॥ न नि वध न न ग
च्छति न दध्म न न गच्छति ॥ सा ह ति कृवा मा विविद वना या
जाना मि ॥ मूहं मयि न दध्म न न गच्छति न वध न न मूख न न मूख न न द
ध्म न न दध्म न न सक्तु मय गच्छति ॥ मूहं मा नि मंयु यदो निर विष्य नि ४ ॥ न

॥ सु ॥

यथा ॥ उं यवाक मसि उदयमसि वेदमसि अकंमसि मर्कमसि उर्ममसि वे
दमसि गुल्ममसि वीर्यमसि अरुधनमसि स्वाहा ॥ उं मावि विद वनायाय
धामां गायय वाक कलनां गायय धनयननां गायय हस्तियना
मां गायय वायनयनां गायय अग्नियनां गायय उदकयनां
गायय सर्वयुगधिक युगमिह नयमां गायय ॥ अंकुलषु मंकुलषु
नाकुलषु मूर्ध्नि नषु मूर्ध्नि नषु ॥ सिंहनाम वज्रनाम वज्रनाम वज्रनाम
नाम वज्र ॥ नयथा ॥ उं आला नाला मकुला मखमविनि वज्र २ मांसय

१४
॥ क ॥

जिवा वसव इ इ इ इ इ
वज्र वज्र वज्र वज्र वज्र
इ इ इ इ इ इ इ इ इ
मा वि वि नाम धा व नि
उं न मा क ग व ना आ
॥ उ व म या ग न म क
द क व ना म हा न ग या म



ना वज्र मुखं वंध वंध स्वाहा
वलालिवलाह मखि मंध
बंध २ स्वाहा ॥ ॥ आर्य
ममाय ॥ ॥
यं गुरु मातु काये ॥
मि-समय र गवान ॥ अ
न कय वना ग रु रु गंधर्वा

६॥ ५॥

मया कालाय मादिमा यनमस्वाहा ॥ पूर्वदल ॥ ॐ ह्राम नविक्रमाय स्वा
हा ॥ श्रीगदल ॥ ॐ त्रैलोक्यकृमाय स्वाहा ॥ दक्षिणदल ॥ ॐ बागयुगवृक्ष
ययी नव त्रायनमस्वाहा ॥ नैमिषदल ॥ ॐ लाहिन वन निर्गमाय वृक्षस्य न
यनमस्वाहा ॥ यन्त्रिमदल ॥ ॐ श्रीसूत्रात मायशुकाधियनमस्वाहा ॥ वायुय
दल ॥ ॐ कलवर्नाय सनिश्च वायनमस्वाहा ॥ ॐ रुद्रदल ॥ ॐ लिनागस
नितोयश्रुमृक्षीयाय बाहुवनमस्वाहा ॥ ॐ धर्मात सनितोय धार्मिक
वनमस्वाहा ॥ ॐ सानिवर्गयानिग्रह मासिको नामध्वनि ॥ कार्तिक

१०
॥ नि ॥

मासगुरु यजस्य मिमाक्षया षष्ठिकात् स्वायाय नयनदं सियहनकुरु मधु
लमध्वयुगयि चोदिन दिनस्य वा नान्वा नयनयन ॥ ६६० ॥ ॥ ॥
श्रीगुरुमासिका नामध्वनि समाप्त ॥ ६६० ॥ ॥ ॥

॥ ला ॥ क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू न द दि ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा म हा व ज स स्वः
ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा सिं ह ना द ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ह ला ह ल ला क
स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ध र्म व क ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ष ड ऊ बी स वा य न म
ॐ न मा ष ड धि त ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ऊ ला ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा व १५
मू ह ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू मा य का म ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा क म
ल वं ध ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा धिं द या क ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा का न द ॥ क ॥
वा ह ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा गु म न ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा य सू य मि ला क

स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ला क रा ध ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ला क व व ला क स्व वा
य न म ॥ ॐ न मा नि ग्ग ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मा यां जाल ह वि ह व ला क स्व वा
य न म ॥ ॐ न मा व स न ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा कू ल जाल ला क स्व वा य न म ॥ ॐ
न मा नि ल कं ठ ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मा यां जाल ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा
मि ल द क ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू र यं क बी ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा ध
र्म सें ख ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा नि ग्ग य न ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा व ल य णी
ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा मू गं धी द र्शन ला क स्व वा य न म ॥ ॐ न मा य न ला क

॥ लो ॥ स्व वायनम ॥ ॐ नमो गंधर्वित्ताक स्व वायनम ॥ ॐ नमो उ सार्थवाहूलाक स्व
 वायनम ॥ ॐ नमो भूकूललाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो कामिबनाबलाक स्व
 वायनम ॥ ॐ नमो गगंवेदलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो उ व डु लाक स्व वाय
 नम ॥ ॐ नमो सूर्यलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो वि च्छु विनलाक स्व वायनम ॥ २०
 ॥ ॐ नमो गगगंरुलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भूकासलाक स्व वायनम ॥ ॐ
 नमो दुगनीलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो सागवगंरिबलाक स्व वायनम ॥ ॥ कं ॥
 ॐ नमो सिंहतिर्गंरिलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो सिंहवीकीदीनलाक

स्व वायनम ॥ ॐ नमो हवन्नदायलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भूतिविमामा
 धनलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो वि कु वन्नलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो सन्नद
 सलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो वजासन्नलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो गुरुगुण
 लाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भूकासगर्तलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो मयव
 नीलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो भूति च्छीकवबलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो
 भूस्वरुसलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो सर्वनिवर्ण विस्तरिलाक स्व वाय
 नम ॥ ॐ नमो हवन्नदायलाक स्व वायनम ॥ ॐ नमो सागवमनिलाक स्व वा

॥ ला ॥ यनम ॥ ॐ नमो धर्म धन लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो गजाधिपति लोक स्व
 वा यनम ॥ ॐ नमो सुमुख लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो बल कीर्ति लोक स्व वा
 यनम ॥ ॐ नमो सकविकुल लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो यमो न बल लोक स्व वा
 यनम ॥ ॐ नमो हृदीर्ग लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो मय मुख लोक स्व वा २१
 यनम ॥ ॐ नमो विन्दु लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो कलवीर लोक स्व वा यन
 म ॥ ॐ नमो धर्मपीठ लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो यदमालकाल लोक स्व वा ॥ क ॥
 यनम ॥ ॐ नमो मीयारुपीय लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो वरु मूर्ति लोक

ॐ नमो श्री गणेशाय नमः

स्व वा यनम ॥ ॐ नमो वीना वासु लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो इन्दु ती लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो निषियंगव लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो दसकर्मि लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो सर्वह लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो कवका निलोक स्व
 वा यनम ॥ ॐ नमो उद्विख लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो मशूर न लोक स्व
 वा यनम ॥ ॐ नमो सिवका न लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो सासिगाल लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो खिखिवा लोक वा यनम ॥ ॐ नमो मशिद न लोक
 स्व वा यनम ॥ ॐ नमो कुलक वसन क लोक स्व वा यनम ॥ ॐ नमो वदुवीव

॥ ला ॥ लाक स्वरायनमः ॥ ॥ ॥ ॥ लाक स्वरायनमः ॥ ॥ ॥ ॥
लाक स्वरायनमः ॥ ॥ ॥ ॥



२२

॥ क ॥

ASHA ARCHIVES

3/11/2019

1.669

ASHA ARCHIVES